an>

Title: Need to give three additional chances to the candidates appearing in Civil Services Aptitude Test.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): माननीय अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले मैं आपके माध्यम से अपने कांग्रेस के साथियों से यह कहना चाहूंगा कि छात्रों का यह बहुत महत्वपूर्ण विÂषय है, इसलिए कृपया वे शांति बनाए रखें और इस विÂषय को सदन में उठाने में मुझे सहयोग दें, लेकिन मुझे उनके शोर मचाने से ऐसा लगता है कि उनका देश के नौजवानों से कोई मतलब नहीं रह गया है। इसलिए वे आपके बार-बार आग्रह करने पर भी अपने स्थानों पर जाने एवं शांति बनाए रखने के लिए तैयार नहीं हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से वÂर्ष 2011 से वÂर्ष 2015 तक तक उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के CSAT पेपर से प्रभावित छात्रों हेतु तीन अतिरिक्त एवं स्थायी अवसरों की मांग करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदया, विÂषय यह है कि जिन छात्रों ने अपना मूल्यवान समय एवं प्रयास इन पांच वÂािाों में खो दिया, उनके अवसर और हित की अनदेखी न्यायोचित नहीं होगी। वÂर्ष 2011 से वÂर्ष 2015 तक तक के छात्रों को प्रयोगधर्मिता का नुकसान उठाना पड़ा। UPSC की 63वीं व 64वीं और नवीनतम 65वीं रिपोर्ट में भी इस असमानता को साफतौर पर देखा जा सकता है।

अध्यक्ष महोदया, ग्रामीण भारत के अधिकतर छात्र मानविकी विÂषय की पृÂठभूमि से होते हैं। इन पांच वÂर्षों में अंतिम चयन की सूची पर निगाह डाली जाये तो यह स्पषÂट रूप से परिलक्षित होता है कि ये छात्र प्रारंभिक परीक्षा में ही बाहर होते रहे हैं तथा तकनीकी विÂायों के छात्रों के चयन का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जो लगभग 80 प्रतिशत है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इस असमान व्यवस्था के कारण सीसैट से छात्र समूह के हित प्रभावित हुए हैं और उनकी अवसर की समानता का हनन हुआ है। मैं चाहता हूं कि उनकी उम्मीदों को पूरा करने एवं इस परीक्षा में सामर्थ्य दिखाने का अवसर प्रदान करने की कृपा की जाये।

माननीय अध्यक्ष : श्री राघव लखनपाल, श्री राहुल कस्वां, श्री आलोक संजर, श्री सी.पी. जोशी, श्री सुधीर गुप्ता, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चंदेल, डॉ. मनोज राजोरिया और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री शरद त्रिपाठी द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।